‘चन्द्रमणि-शर्मा उपाध्याय’ - स्मारक अज्ञात-कृति-प्रकाशन पुरस्कार’

अज्ञात एवं दुर्लभ ग्रन्थों की हस्तलिखित प्रतियों के अन्वेषण, पाठालोचन, सम्पादन तथा प्रकाशन के प्रति वर्तमान संस्कृत-शोध एवं अनुसन्धान की प्रत्यक्ष धारा को आकृष्ट करने तथा उसे प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से स्थापित यह पुरस्कार, प्रत्येक वर्ष उन प्रकाशित ग्रन्थों के लिए दिया जाएगा जो -

संस्कृत-वाङ्मय अथवा हिन्दी-साहित्य की अज्ञात हस्तलिखित प्रतियों के सम्पादित संस्करण हों

नोट् -

1. ग्रन्थों का चयन, ‘प्रत्नकीर्ति’ में समीक्षा हेतु लेखकों व प्रकाशकों द्वारा भेजे गए प्रकाशित ग्रन्थों से किया जाएगा।
2. प्रकाशित ग्रन्थों की अधिकता होने पर कृति की प्राचीनता, दुर्लभता आदि के आधार पर सर्वश्रेष्ठ ग्रन्थ का चुनाव किया जाएगा।
3. पुरस्कार-संचालक विद्वान् यदि स्वयं भी ‘प्रत्नकीर्ति’ में प्रकाशित हो रहे हों तो वे अपने ग्रन्थों के लिए, स्वयं द्वारा ही घोषित पुरस्कार के पात्र नही होंगे।
4. पुरस्कारार्ह ग्रन्थ का चयन सम्पादक-मण्डल, ‘प्रत्नकीर्ति’ तथा अखिल भारतीय मुस्लिम-संस्कृत संरक्षण एवं प्राच्य शोध संस्थान, वाराणसी के सम्मानित सदस्यों द्वारा किया जाएगा।
5. चयन के सन्दर्भ में सम्पादक-मण्डल, ‘प्रत्नकीर्ति’ का निर्णय सर्वमान्य होगा।
6. चयन का परिणाम ‘प्रत्नकीर्ति’ के प्रत्येक अगले भाग के प्रथम-अंक में ऑन-लाइन घोषित होगा तथा पुरस्कार संस्थान द्वारा निर्धारित समय एवं स्थान पर प्रदान किया जाएगा।
7. पुरस्कार में एक हजार रुपये (1000 मात्र) नगद अथवा इतने ही मूल्य के प्रकाशित ग्रन्थ तथा संस्थान द्वारा जारी प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाएगा।
8. ग्रन्थों की अनुपलब्धता अथवा उपयुक्त ग्रन्थ प्राप्त न होने की दशा में पुरस्कार निरस्त किया जा सकता है।
9. समस्त विवादों का निस्तारण-क्षेत्र वाराणसी होगा।

सूचना : प्रत्नकीर्ति के भाग-२ से इस पुरस्कार की राशि बढाकर २१००/- कर दी गई है।

(यह पुरस्कार **डॉ. राजीव कुमार त्रिगर्ती, ग्राम-लंघू, पोस्ट-गाँधीग्राम, वाया-बैजनाथ, जिला- कांगड़ा, हिमाचल-प्रदेश** द्वारा घोषित वार्षिक वित्तीय सहयोग से प्रदेय है।)